



चतुर्थेश का 12 भावों में सामान्य फलादेश

Arpita Nath द्वारा • ग्रह एवं भावेश • 2026-09-08

वैदिक ज्योतिष में, चतुर्थ भाव (केंद्र) भावनात्मक शांति, माता, अचल संपत्ति (रियल एस्टेट), वाहन, स्थायी संपत्ति, प्रारंभिक शिक्षा और पारिवारिक सुख का संचालन करता है। चतुर्थेश (चतुर्थ भाव के स्वामी) की स्थिति यह दर्शाती है कि आपके दिल को कहाँ सुकून मिलता है, आप किस तरह स्थिरता का निर्माण करते हैं और आपका गृह जीवन आपके जीवन पथ को कैसे आकार देता है।

प्रथम भाव में चतुर्थेश: आत्मनिर्भर और स्थिर व्यक्तित्व

फलादेश: आपके मन की शांति यह जानने से आती है कि आप कौन हैं और स्वयं में सुरक्षित महसूस करते हैं। आपको अपने परिवार या माता से मजबूत संस्कार - और अक्सर संपत्ति या संपत्तियाँ - विरासत में मिलती हैं। आप अपने शारीरिक प्रयासों और व्यक्तिगत प्रतिष्ठा के माध्यम से एक स्थिर जीवन के निर्माण में निपुण होते हैं।

द्वितीय भाव में चतुर्थेश: संपत्ति संचयक

फलादेश: यह एक पारंपरिक योग है जो घरेलू सुख को सीधे तौर पर वित्तीय समृद्धि से जोड़ता है। आप रियल एस्टेट, कृषि भूमि, वाहनों या पारिवारिक व्यवसायों के माध्यम से अपनी तरल निवल संपत्ति (लिक्विड नेट वर्थ) में वृद्धि करते हैं। आपकी माता आपकी वित्तीय आदतों और मूल्यों को आकार देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं।

तृतीय भाव में चतुर्थेश: गतिशील गृहस्वामी

फलादेश: आपकी शांति का भाव स्थिर होने के बजाय गतिशील रहता है। आप कई संपत्तियों के स्वामी हो सकते हैं, विभिन्न घरों के बीच लगातार यात्रा कर सकते हैं या डिजिटल मीडिया, लेखन अथवा डिजाइन का उपयोग करके घर से व्यवसाय/कार्य कर सकते हैं। आपके भाई-बहन या करीबी समुदाय आपके पारिवारिक जीवन में योगदान देते हैं।

चतुर्थ भाव में चतुर्थेश: सुख-शांति का निर्माता

फलादेश: अपने ही भाव में (स्वक्षेत्र) स्थित होकर और एक शक्तिशाली स्वक्षेत्र केंद्र का निर्माण करते हुए, यह स्थिति प्रचुर मात्रा में घरेलू सुख, उच्च श्रेणी के वाहन और मूल्यवान संपत्ति प्रदान करती है। आप अपनी माता के साथ एक मजबूत, सुरक्षात्मक संबंध बनाए रखते हैं और अपने घर को एक शांतिपूर्ण शरणस्थली बनाने में बहुत गर्व महसूस करते हैं।

पंचम भाव में चतुर्थेश: आनंदमय शिक्षक

फलादेश: एक केंद्र के स्वामी का त्रिकोण भाव से जुड़ना एक अत्यंत शुभ राज योग का निर्माण करता है। आप सीखने, रचनात्मक कलाओं, शिक्षण या निवेश में गहरी भावनात्मक संतुष्टि पाते हैं। आप अपने बच्चों के साथ मजबूत बौद्धिक तालमेल का आनंद लेते हैं और अक्सर अपनी माता से तीव्र मानसिक अंतर्दृष्टि विरासत में प्राप्त करते हैं।

षष्ठ भाव में चतुर्थेश: व्यावहारिक संरक्षक

फलादेश: पारिवारिक जीवन या संपत्ति अर्जन में पूरी तरह व्यवस्थित होने से पहले कुछ शुरुआती संघर्ष, कानूनी कागजी कार्रवाई या नवीनीकरण शामिल हो सकता है। हालाँकि, आप घरेलू विवादों को सुलझाने, किराए की संपत्तियों का प्रबंधन करने या स्वास्थ्य सेवा, रियल एस्टेट कानून अथवा घरेलू सेवा क्षेत्रों में काम करने में उत्कृष्ट होते हैं।

सप्तम भाव में चतुर्थेश: आतिथ्यशील साझेदार

फलादेश: विवाह के बाद या प्रमुख व्यावसायिक साझेदारियों के माध्यम से आपकी स्थिरता और भावनात्मक शांति की भावना में काफी विस्तार होता है। आप और आपके साथी संयुक्त रूप से रियल एस्टेट के मालिक हो सकते हैं या ग्राहकों से सीधा जुड़ाव रखने वाला व्यवसाय चला सकते हैं। आप प्रियजनों के साथ साझा किए गए सुंदर और स्वागतपूर्ण वातावरण में फलते-फूलते हैं।

अष्टम भाव में चतुर्थशः आंतरिक शांति के खोजी

फलादेशः आपके जीवन भर भावनात्मक शांति में बड़े बदलाव आते रहते हैं। आपको पैतृक भूमि विरासत में मिल सकती है, अचानक संपत्ति का लाभ हो सकता है या मनोविज्ञान, गूढ़ विज्ञान (ऑकल्ट) अथवा गुप्त ज्ञान में गहरी रुचि विकसित हो सकती है। आपकी मानसिक भलाई के लिए घर पर एकांत और गोपनीयता आवश्यक है।

नवम भाव में चतुर्थशः धर्मनिष्ठ निवासी

फलादेशः एक और श्रेष्ठ केंद्र-त्रिकोण राज योग। भूमि, मकान और विलासितापूर्ण वाहन प्राप्त करते समय आप अविश्वसनीय भाग्य का आनंद लेते हैं। आपकी माता या शुरुआती परिवेश आप में मजबूत आध्यात्मिक या नैतिक मूल्यों का संचार करता है। आप शैक्षणिक केंद्रों, आध्यात्मिक स्थलों के पास रह सकते हैं या किसी विदेशी स्थान पर घर बना सकते हैं।

दशम भाव में चतुर्थशः सामाजिक प्रतिष्ठा के स्तंभ

फलादेशः आपकी व्यक्तिगत स्थिरता सीधे तौर पर आपके सार्वजनिक जीवन को सहारा देती है। आप सरकार, नगर नियोजन (सिटी प्लानिंग), वास्तुकला, रियल एस्टेट, शिक्षा या आतिथ्य सत्कार के क्षेत्र में प्रसिद्धि या प्रमुख करियर सफलता प्राप्त कर सकते हैं। लोग आपको एक विश्वसनीय, सुखद और आधिकारिक मार्गदर्शक के रूप में देखते हैं।

एकादश भाव में चतुर्थशः प्रभावशाली संपर्कों के धनी

फलादेशः आपके घर और संपत्ति के निवेश समय के साथ निरंतर वित्तीय लाभ प्रदान करते हैं। आपका घरेलू परिसर अक्सर मित्रों, सामुदायिक संपर्कों या समूह गतिविधियों के लिए एक मिलन स्थल का रूप ले लेता है। आपकी माता या पारिवारिक नेटवर्क आपके दीर्घकालिक लक्ष्यों को प्राप्त करने में मजबूत सहयोग प्रदान करता है।

द्वादश भाव में चतुर्थशः वैश्विक अंतरात्मा

फलादेशः सच्चा भावनात्मक सुकून आपके जन्मस्थान से दूर मिलता है - अक्सर विदेशों में, शांत तटीय क्षेत्रों में या आध्यात्मिक स्थलों पर। आप विदेश में संपत्ति खरीद सकते हैं या विदेशी रियल एस्टेट, संस्थानों अथवा दूरस्थ (रिमोट) व्यवस्था में काम कर सकते हैं। मानसिक ऊर्जा की पुनःप्राप्ति के लिए एकांत आपका सबसे अच्छा साधन है।

<https://astroarpitanath.com/hindi/4th-house-lord-in-12-houses/>

ज्योतिष केवल मार्गदर्शन के लिए प्रदान किया जाता है। जीवन के महत्वपूर्ण निर्णयों के लिए, कृपया किसी योग्य पेशेवर से परामर्श लें।